मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

BSKC–101

बी. ए. (ऑनर्स) संस्कृत (बी.ए.एस.के.एच.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2024

बी.एस.के.सी.-101 : लौकिक संस्कृत पद्य साहित्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) इस प्रश्न-पत्र में तीन खण्ड हैं।*

(ii) सभी खण्ड अनिवार्य हैं।

(iii) दिए गए निर्देशानुसार ही उत्तर दीजिए।

खण्ड—क

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पद्यांशों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए— प्रत्येक 10

(क) मन्दः कवियशः प्रार्थी गमिष्याम्युपहास्यताम्।
प्रांशुलभ्ये फले लोभादुद्बाहुरिव वामनः॥

अथवा

प्रजानामेव भूत्यर्थं स ताभ्यो बलिमग्रहीत।
सहस्रगुणमुत्स्रष्टुमादत्ते हि रसं रविः॥

(ख) तथा समक्षं दहता मनोभवं

पिनाकिना भग्नमनोरथा सती।

निनिन्द रूपं हृदयेन पार्वती

प्रियेषु सौभाग्यफला हि चारूता॥

अथवा

कृतभिषेकां हुतजातवेदसं त्वगुत्तरासङ्गवतीमधीतिनीम्।

दिदृक्षवस्तामृषयोऽभ्युपागमन न धर्मवृद्धेषु वयः समीक्ष्यते॥

(ग) क्रियासु युक्तैर्नृप ! चारचक्षुषो न वञ्चनीयाः प्रभवोऽनुजीविभिः।

अतोऽर्हसि क्षन्तुमसाधु साधु वा, हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः॥

अथवा

कथाप्रसङ्गेन जनैरुदाहृतादनुस्मृताखण्डलसूनुविक्रमः।

तवाभिधानाद् व्यथते नताननः स दुःसहान्मन्त्रपदादिवोरगः॥

(घ) अज्ञः सुखमाराध्यः सुखतरमाराध्यते विशेषज्ञः।

ज्ञानलवदुर्विदग्धं ब्रह्मापि नरं न रञ्जयति॥

अथवा

वरं पर्वतदुर्गेषु भ्रान्तं वनचरैः सह।

न मूर्खजनसम्पर्कः सुरेन्द्रभवनेष्वपि॥

खण्ड—ख

2. निम्नलिखित में से किन्हीं ***पाँच*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए— 5×10=50

(क) पार्वती की तपस्या की विशेषताओं को लिखिए।

(ख) महाकाव्य के उद्भव और विकास पर लेख लिखिए।

(ग) 'नीतिशतकध् में प्रतिपाद्य विषयों की उपयोगिता वर्तमान विविध सन्दर्भों में कीजिए।

(घ) जयदेव और गीतगोविन्द पर लेख लिखिए।

(ङ) भारवि के महाकाव्य पर लेख लिखिए।

(च) खण्डकाव्य का स्वरूप और विशेषताएँ लिखिए।

(छ) अश्वघोष के महाकाव्यों पर विस्तृत निबन्ध लिखिए।

खण्ड—ग

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : $2\times5=10$

(क) पण्डित जगन्नाथ की कृतियाँ

(ख) पार्वती तपस्या वर्णन

(ग) मुक्तक काव्य की उत्पत्ति और विकास